# ५. बैल जब दौड़े तो हार गये घोड़े

राजस्थान का एक जिला है - नागौर। एक बार जोधपुर के महाराजा वहाँ शिकार खेलते हुए अपने सिपाहियों से बिछुड़कर संकट में फँस गये।
मित्र! मैं अकेला हूँ, इसका शत्रु को पता चल गया है। मुझे मारने के लिए उसने सैनिकों का दल भेजा है।
मेरा घोड़ा थक चुका है, तुम एक अच्छा घोड़ा दे दो, ताकि मैं रात ही रात में जोधपुर पहुँच जाऊँ।

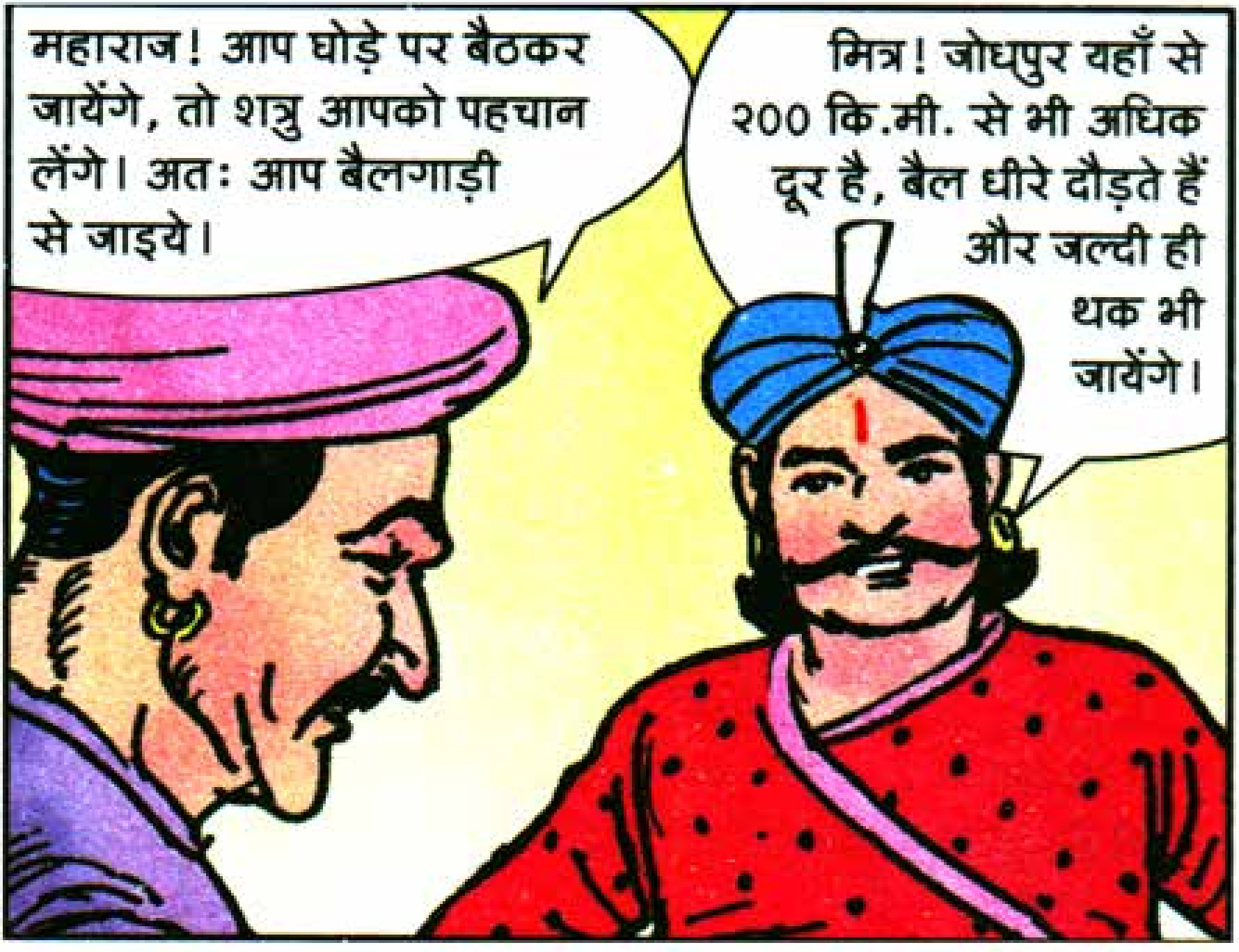
महाराज! आप घोड़े पर बैठकर जायेंगे, तो शत्रु आपको पहचान लेंगे। अतः आप बैलगाड़ी से जाइये।
मित्र! जोधपुर यहाँ से २०० कि.मी. से भी अधिक दूर है, बैल धीरे दौड़ते हैं और जल्दी ही थक भी जायेंगे।

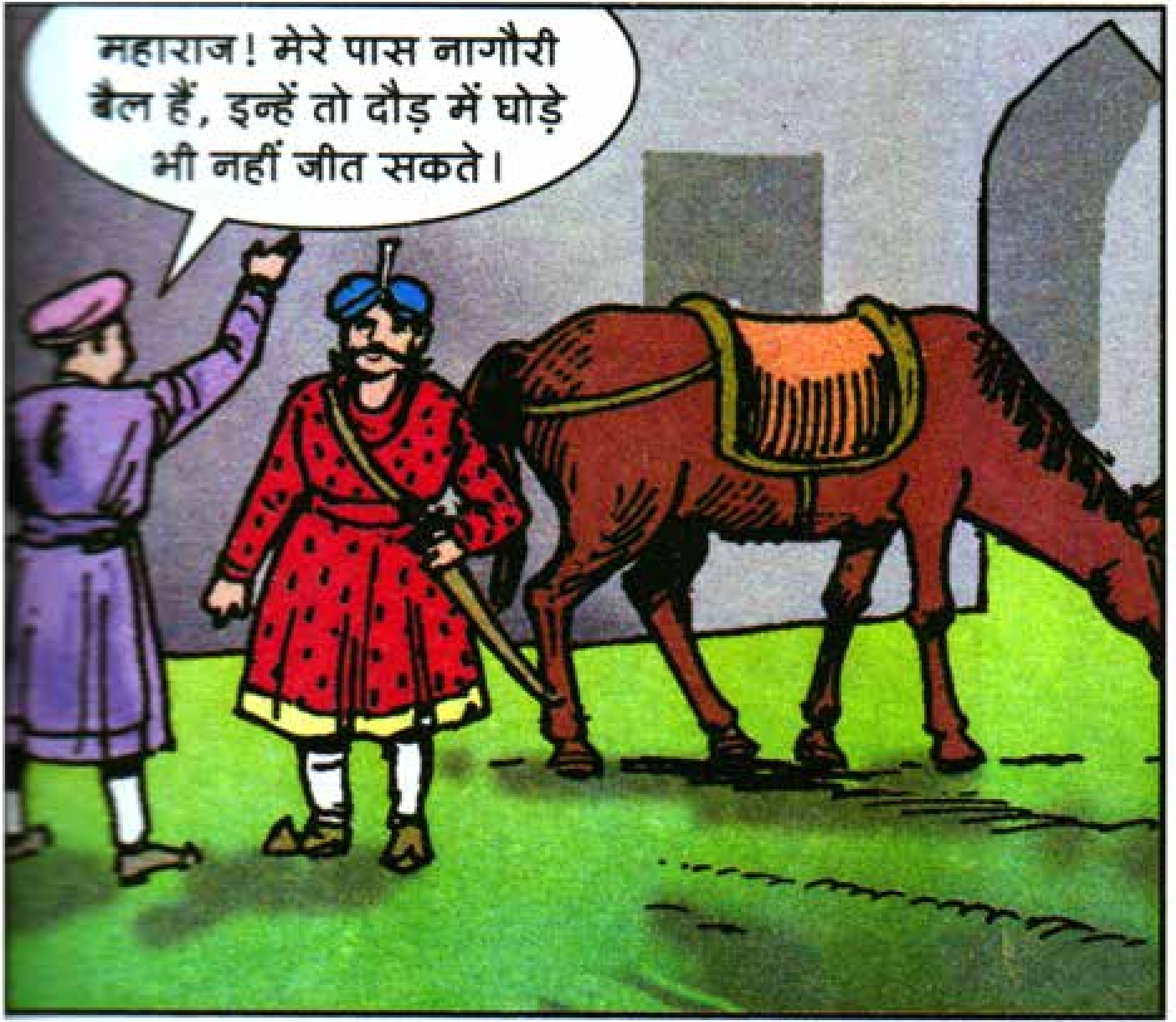
महाराज! मेरे पास नागौरी बैल हैं, इन्हें तो दौड़ में घोड़े भी नहीं जीत सकते।

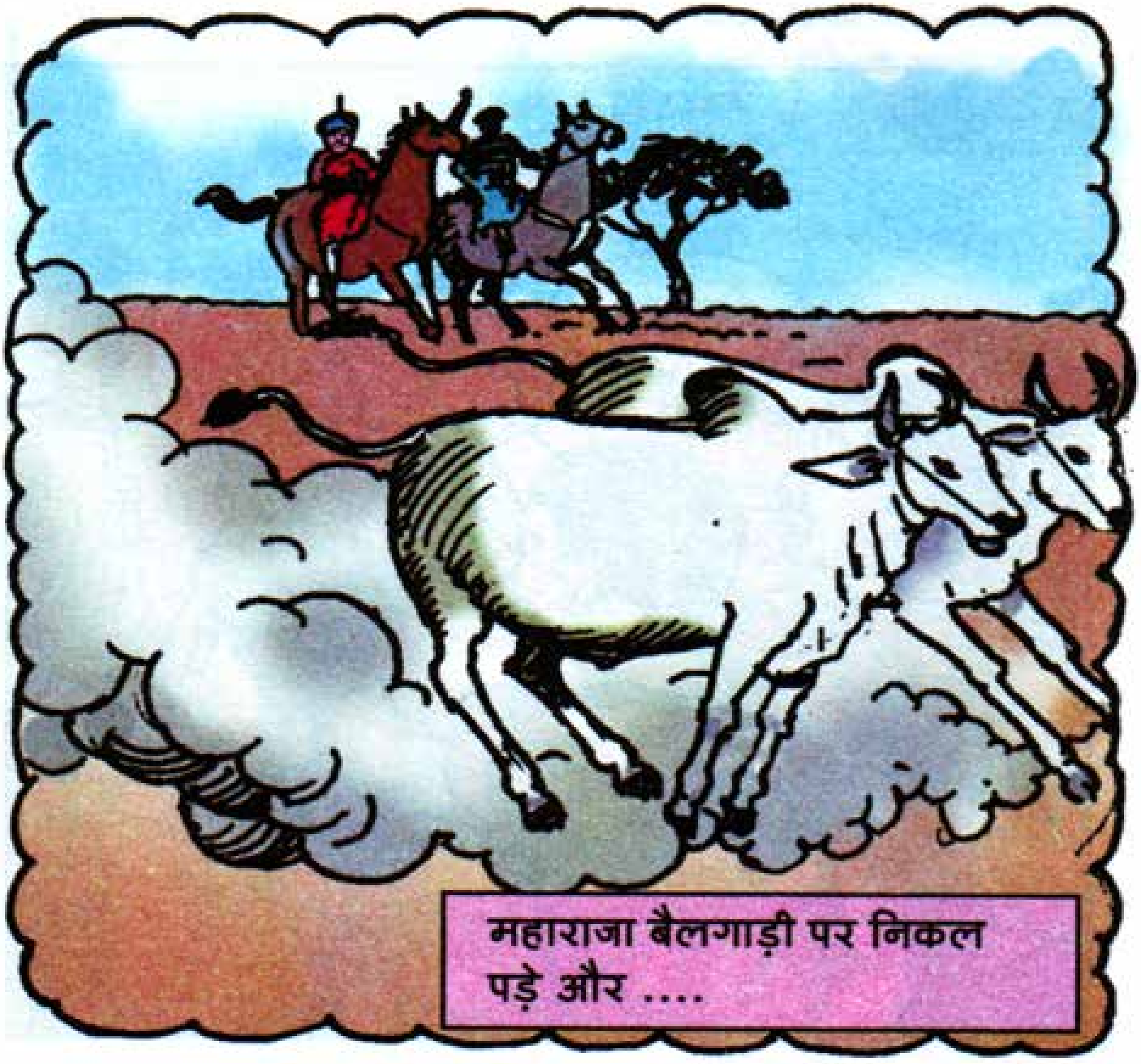
महाराजा बैलगाड़ी पर निकल पड़े और ....

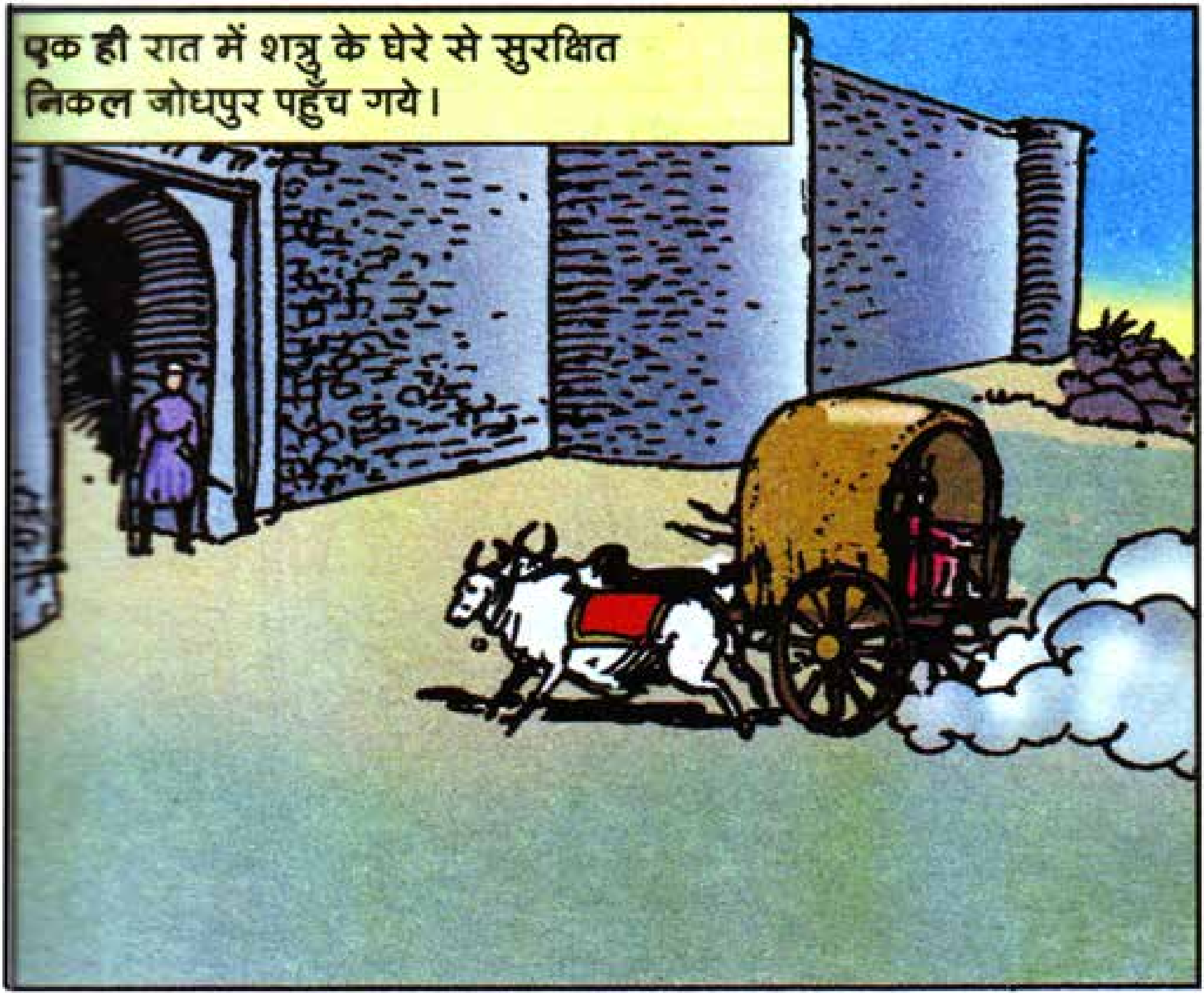
एक ही रात में शत्रु के घेरे से सुरक्षित
निकल जोधपुर पहुँच गये।

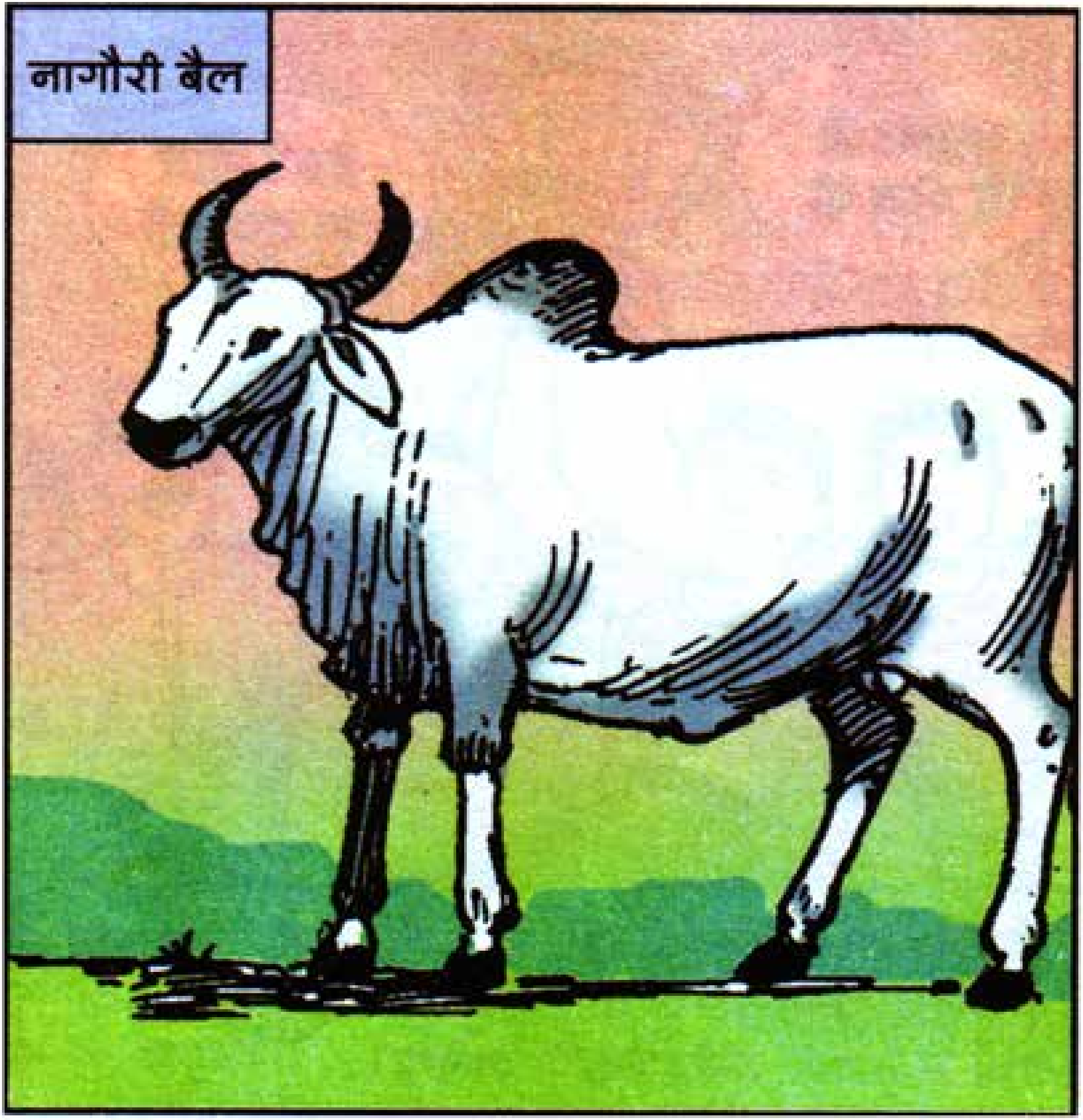
नागौरी बैल